न्यूज़ टुडे

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा है कि भारत-EFTA व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (TEPA) 1 अक्टूबर 2025 से लागू होगा

TEPA पर **मार्च 2024** में एक **मुक्त व्यापार समझौते (FTA)** के रूप में हस्ताक्षर हुए थे। इस समझौते में **14 अध्याय** शामिल हैं। यह समझौता **वस्तुओं से संबंधित बाजार पहुंच, उत्पत्ति के नियम (Rules of origin), व्यापार सुविधाओं, सैनिटरी और फाइटोसैनिटरी उपाय, निवेश प्रोत्साहन, बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR)** आदि पर केंद्रित है।

TEPA की मुख्य विशेषताओं पर एक नजर

- **प्रथम बाध्यकारी प्रतिबद्धता:** यह पहला FTA है, जिसमें **अगले 15 सालों में भारत में 100 बिलियन डॉलर (FDI) का निवेश और 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार** देने की बाध्यकारी प्रतिबद्धता है।
  - बदले में, भारत विविध उत्पादों **(जैसे स्विस घड़ियाँ, चॉकलेट, कटे व पॉलिश किए गए हीरे आदि) पर बहुत कम या शून्य सीमा शुल्क (ड्यूटी)** लगाएगा।
- **बाज़ार तक पहुंच:** EFTA के बाजारों में भारत के **100% गैर-कृषि उत्पादों को प्रवेश** दिया जाएगा। साथ ही, **प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों (PAPs) पर प्रशुल्क में रियायत** दी जाएगी।
  - **डेयरी, सोया, कोयला और कुछ संवेदनशील कृषि उत्पादों** को इस सूची से **बाहर** रखा गया है।
- **प्रशुल्क में कमी:** EFTA भारत के **99.6% निर्यात पर आयात शुल्क को खत्म करेगा या कम** करेगा। भारत EFTA देशों से आने वाले **95.3% निर्यात पर आयात शुल्क खत्म करेगा या कम** करेगा।
- **अन्य:** बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) से जुड़ी प्रतिबद्धताएं, पेशेवर सेवाओं (जैसे नर्सिंग) में आपसी मान्यता समझौते आदि।

भारत–EFTA व्यापार संबंध:

- **2024–25 में,** भारत और EFTA के बीच कुल **24.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का व्यापार हुआ था, जिसमें भारत का **व्यापार घाटा बहुत अधिक** था।
  - इस घाटे का बड़ा हिस्सा **स्विट्जरलैंड से सोने के आयात** की वजह से है।
- EFTA देशों में, **स्विट्जरलैंड भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार** है, उसके बाद **नॉर्वे** का स्थान आता है।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) के बारे में

- यह एक **अंतर-सरकारी संगठन** है, जिसका उद्देश्य अपने सदस्य देशों के बीच **मुक्त व्यापार और आर्थिक एकीकरण** को बढ़ावा देना है।
- **सदस्य देश: आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड।**
  - ये देश **यूरोपीय संघ (EU) का हिस्सा नहीं** है।
- **स्थापना:** इसे **स्टॉकहोम कन्वेंशन द्वारा 1960** में स्थापित किया गया था। तब इसके **7 संस्थापक सदस्य थे-** ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, ग्रेट ब्रिटेन, नॉर्वे, पुर्तगाल, स्वीडन और स्विट्जरलैंड।

"नशा मुक्त भारत के लिए युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन" में काशी घोषणा-पत्र पारित किया गया

युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन ने राष्ट्रीय युवा-नेतृत्व वाले नशा-विरोधी अभियान की नींव रखी है। यह शिखर सम्मेलन व्यापक **'मेरा युवा (MY) भारत फ्रेमवर्क'** का हिस्सा है।

- मेरा युवा (MY) भारत, केंद्र सरकार द्वारा स्थापित एक **स्वायत्त निकाय** है। इसका उद्देश्य **युवा विकास और युवा-नेतृत्व वाले विकास के लिए प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित एक संस्थागत तंत्र** प्रदान करना है।

काशी घोषणा-पत्र के बारे में

- इसमें **नशामुक्ति आंदोलन के लिए 5 साल का रोडमैप** निर्धारित किया गया है।
- इसमें मादक पदार्थों के सेवन को **केवल एक व्यक्तिगत समस्या के रूप में ही नहीं बल्कि एक बहु-आयामी लोक स्वास्थ्य और सामाजिक चुनौती** के रूप मानने पर राष्ट्रीय सहमति बनी है।
- **अपनाए जाने वाला दृष्टिकोण:**
  - यह **बहु-मंत्रालयी समन्वय के लिए एक संस्थागत तंत्र** का प्रस्ताव करता है। इस तंत्र में एक संयुक्त राष्ट्रीय समिति का गठन, वार्षिक प्रगति की रिपोर्टिंग तथा प्रभावित व्यक्तियों को सहायता सेवाओं से जोड़ने के लिए एक राष्ट्रीय मंच शामिल है।
  - नशे से बचाव के लिए **आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और प्रौद्योगिकी प्रयासों** का एकीकरण किया जाएगा।

नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को समाप्त करने के लिए उठाए गए अन्य कदम

- नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अधिनियम, 1985;
- नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अवैध व्यापार रोकथाम अधिनियम, 1988;
- नेशनल एक्शन प्लान फॉर ड्रग डिमांड रिडक्शन (NAPDDR), 2018-25;
- नशा मुक्त भारत अभियान (NMBA), 2020 आदि।

भारत में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की स्थिति (मादक पदार्थों के दुरुपयोग पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण, 2019 के अनुसार)

- **शराब के उपयोग की व्यापकता: वर्तमान में 10 से 75 वर्ष** की आयु के बीच **14.6% लोग** शराब का सेवन करते हैं।
- **कैनबिस और ओपिओइड** (जैसे- हेरोइन) भारत में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाला प्रचलित हो रहा मादक पदार्थ है।

नशीले पदार्थों के उपयोग के पीछे प्रमुख कारक

सामाजिक कारक: जैसे- साथियों का दबाव, पारिवारिक कलह और सामाजिक अलगाव।

आर्थिक कारक: जैसे- बेरोजगारी और गरीबी।

मनोवैज्ञानिक कारक: जैसे- एंग्जायटी और अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं।

शैक्षणिक/ कार्य संबंधी तनाव: जैसे- शिक्षा और नौकरियों से संबंधित अधिक दबाव जोखिम को बढ़ाता है, खासकर युवाओं में।

उपलब्धता: भारत गोल्डन क्रिसेंट और गोल्डन ट्रायंगल के बीच स्थित है।

चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी (यारलुंग त्सांगपो) पर दुनिया के सबसे बड़े बांध का निर्माण कार्य शुरू किया

यह बांध **हिमालय में एक विशाल गॉर्ज के दूसरी तरफ** बनाया जा रहा है, जहां नदी भारत की सीमा (**अरुणाचल प्रदेश**) **के पास यू-टर्न** लेती है।

- इसके निर्माण के बाद यह आकार में **चीन की यांग्त्ज़ी नदी पर बने 'थ्री गॉर्जेस डैम'** से भी बड़ा हो सकता है।
- **ब्रह्मपुत्र नदी तिब्बत के पठार** से होकर बहती है और **पृथ्वी का सबसे गहरा कैनियन** बनाती है।

बांध से जुड़ी प्रमुख चिंताएं

- **आपदा जोखिम:** इसके बनने से **भूकंप से संबंधित खतरे** बढ़ सकते हैं। गौरतलब है कि **तिब्बती पठार** पर अक्सर भूकंप आते रहते हैं, क्योंकि यह क्षेत्र **टेक्टोनिक प्लेट्स** पर स्थित है।
  - **उदाहरण:** 1950 का असम-तिब्बत भूकंप।
- **पर्यावरणीय चुनौतियां:** बांध से स्थानीय **पारिस्थितिकी-तंत्र प्रभावित हो सकता है और नदी के निचले बहाव में भी रुकावट** आ सकती है।
  - इसका असर **जैव विविधता और कृषि** पर भी पड़ेगा।
- **भू-राजनीतिक चुनौतियां:** संभावना है कि चीन इस बांध को संघर्ष के समय **'वाटर बम'** की तरह हथियार बनाकर बाढ़ लाने के लिए इस्तेमाल कर सकता है।
- **सांस्कृतिक चुनौतियां:** उदाहरण के लिए- इस परियोजना से अरुणाचल प्रदेश की **सियांग घाटी में रहने वाली अदि (Adi) जनजाति** जैसे समुदायों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है।

वर्ष 2006 में चीन और भारत ने सीमा-पार नदियों से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए **विशेषज्ञ स्तर की व्यवस्था (ELM)** शुरू की थी। इसके तहत **बाढ़ के मौसम में ब्रह्मपुत्र और सतलज नदियों के हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा** किए जाते हैं। भारत भी **अरुणाचल प्रदेश** में ब्रह्मपुत्र पर अपना जलविद्युत बांध बना रहा है।

- उल्लेखनीय है कि दोनों देश **अंतर्राष्ट्रीय जलमार्गों के गैर-नौगम्य उपयोग के कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन, 1997** के हस्ताक्षरकर्ता नहीं हैं।

ICMR द्वारा 'AdFalciVax' नामक स्वदेशी बहु-चरणीय मलेरिया वैक्सीन विकसित की जा रही है

यह वैक्सीन **जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी संस्थान** के साथ मिलकर तैयार की जा रही है। इसमें **ICMR का क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, भुवनेश्वर और राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान सहयोग कर रहे हैं।**

AdFalciVax वैक्सीन के बारे में:

- **प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम (सबसे घातक मलेरिया परजीवी प्रजाति) को दो चरणों में लक्षित करना:** मौजूदा वैक्सीन्स केवल एक जीवन चरण को लक्षित करती हैं, वहीं AdFalciVax परजीवी के जीवन चक्र के दो महत्वपूर्ण चरणों को लक्षित करती है, जैसे-
  - **प्री-एरिथ्रोसाइटिक (यकृत) चरण; तथा**
  - **संचरण (सेक्सुअल) चरण।**
- **रिकॉम्बिनेंट कैमेरिक वैक्सीन:** "कैमेरिक" वैक्सीन से तात्पर्य उस वैक्सीन से है, जो **परजीवी के जीवन चक्र के विविध चरणों से एंटीजन को एक एकल इम्यूनोजन में संयोजित** करती है।
  - रिकॉम्बिनेंट DNA प्रौद्योगिकी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें **विविध स्रोतों से DNA अणुओं को मिलाकर एक नया DNA अनुक्रम** बनाया जाता है।
- **स्वदेशी विकास:** यह **उन्नत मलेरिया वैक्सीन अनुसंधान एवं विकास** में वैश्विक स्तर पर भारत के प्रवेश का प्रतीक है।

मौजूदा मलेरिया वैक्सीन्स की तुलना में AdFalciVax के लाभ:

- **व्यापक सुरक्षा:** मौजूदा WHO द्वारा अनुशंसित वैक्सीन्स **RTS, S/AS01 (मॉस्क्यूरिक्स) और R21/मैट्रिक्स-M** के विपरीत, AdFalciVax दोहरे चरण पर सुरक्षा प्रदान करती है।
- **इम्यून इवेजन का कम खतरा और बेहतर दीर्घकालिक इम्यूनिटी,** अर्थात यह वैक्सीन शरीर में बेहतर और लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान कर सकती है।
- AdFalciVax को **कमरे के तापमान पर 9 महीने तक** संरक्षित किया जा सकता है, जबकि अन्य वैक्सीन्स में यह क्षमता नहीं होती।
- **लागत प्रभावी विनिर्माण:** यह वैक्सीन **क्टोकोकस लैक्टिस नामक बैक्टीरिया प्रणाली में सुरक्षित और आसानी से बनाई** जा सकती है। इससे इसका उत्पादन **सस्ता** हो जाता है।

मलेरिया के बारे में

- **मलेरिया एक प्राण-घातक बीमारी है, जो प्लाज्मोडियम परजीवी** के कारण होती है तथा यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलती है।
  - यह **संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छरों** के काटने से फैलता है।
- **भौगोलिक प्रसार:** अधिकांशतः **उष्णकटिबंधीय देशों में।**
- **पांच प्लाज्मोडियम प्रजातियों से मनुष्यों को मलेरिया होता है:** पी. फाल्सीपेरम, पी. विवैक्स, पी. मलेरिया, पी. ओवले, और पी. नॉलेसी।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS) ने 75 वर्ष पूरे किए

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS) की स्थापना **1950 में पी.सी. महालनोबिस** ने की थी। इसे देशभर से यादृच्छिक (Random) नमूनाकरण के आधार पर आर्थिक और सामाजिक जानकारी एकत्र करने के लिए स्थापित किया गया था।

NSS के बारे में

- **मंत्रालय:** सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय।
- **अध्यक्ष:** एक महानिदेशक इसका अध्यक्ष होता है, जो अखिल भारतीय आधार पर बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षणों के संचालन के लिए जिम्मेदार है।
- **कवरेज (सर्वेक्षण के विषय):**
  - **सामाजिक-आर्थिक विषयों पर पारिवारिक सर्वेक्षण:** उदाहरण के लिए- जनसंख्या, जन्म, मृत्यु, प्रवासन, प्रजनन क्षमता, परिवार नियोजन आदि।
  - **भूमि जोत, पशुधन और कृषि पर सर्वेक्षण।**
  - **स्थापना सर्वेक्षण और उद्यम सर्वेक्षण:** उदाहरण के लिए- असंगठित क्षेत्रक में गैर-कृषि उद्यमों और ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण खुदरा कीमतों का संग्रह।
  - **ग्राम सर्वेक्षण:** भारतीय गांवों में बुनियादी ढांचा सुविधाओं की उपलब्धता पर जानकारी एकत्र करना।
- NSS के चार प्रभाग (डिवीजन):
  - **सर्वेक्षण डिजाइन और अनुसंधान प्रभाग (SDRD):** यह **कोलकाता** में स्थित है। यह सर्वेक्षणों की तकनीकी योजना, अवधारणाओं व परिभाषाओं के निर्माण, नमूना डिजाइन आदि के लिए जिम्मेदार है।
  - **क्षेत्र संचालन प्रभाग (FOD):** इसका मुख्यालय **दिल्ली/ फरीदाबाद** में स्थित है। यह प्राथमिक डेटा के संग्रह के लिए जिम्मेदार है।
  - **डेटा प्रोसेसिंग प्रभाग (DPD):** इसका मुख्यालय **कोलकाता** में है। यह नमूना चयन, सॉफ्टवेयर विकास, डेटा प्रसंस्करण, सत्यापन और सारणीकरण के लिए जिम्मेदार है।
  - **सर्वेक्षण समन्वय प्रभाग (SCD): नई दिल्ली** में स्थित है। यह NSS के अलग-अलग प्रभागों की सभी गतिविधियों का समन्वय करता है।

NSS के प्रमुख सर्वेक्षण

- **शहरी फ्रेम सर्वेक्षण (चरण 2022-27):** इसे शहरी क्षेत्रों के लिए एक विश्वसनीय नमूना फ्रेम तैयार करने और उसे अपडेट करने के लिए आयोजित किया जाता है। यह सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण आयोजित करने के लिए महत्वपूर्ण है।
- **उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण (ASI):** यह संगठित विनिर्माण क्षेत्रक की संवृद्धि, संरचना और बदलावों का मूल्यांकन करने के लिए संपन्न किया जाता है।
- **आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS):** इसका आयोजन 2017 से किया जा रहा है। यह सर्वेक्षण श्रम बल के आंकड़ों का प्राथमिक स्रोत है।
- **मूल्य सर्वेक्षण:**
  - उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-शहरी और ग्रामीण;
  - उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-कृषि श्रमिक/ ग्रामीण श्रमिक (AL/ RL); तथा
  - थोक मूल्य सूचकांक (WPI)।

अन्य सुर्ख़ियां

M23 विद्रोही

हाल ही में, **रवांडा समर्थित M23 विद्रोही समूह** और **डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो** (DRC) ने पूर्वी कांगो में स्थायी युद्ध विराम के लिए प्रतिबद्धता जताई।

M23 विद्रोहियों के बारे में

- M23 को '23 मार्च मूवमेंट' भी कहा जाता है। **यह मुख्य रूप से तुत्सी नृजातीय समुदाय का सशस्त्र विद्रोही समूह** है।
- यह समूह खनिज संसाधन समृद्ध **पूर्वी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो** में **कांगो सेना** के खिलाफ लड़ रहा है।
- इस विद्रोही समूह का नाम वास्तव में **23 मार्च, 2009 को हुए उस समझौते से** जुड़ा है, जो CNDP (तुत्सी नेतृत्व वाला विद्रोही समूह) और कांगो सरकार के बीच तुत्सी विद्रोह को समाप्त करने के लिए हुआ था।
- CNDP के पूर्व सदस्यों ने 2009 के समझौते के क्रियान्वयन में **विफलता, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा,** और **संसाधनों के समान वितरण** के मुद्दों को लेकर वर्ष 2012 में M23 **मूवमेंट** की शुरुआत की।

कोडेक्स एलीमेंटेरियस कमीशन (CAC)

हाल ही में **कोडेक्स एलीमेंटेरियस कमीशन की 88वीं कार्यकारी समिति** की बैठक **खाद्य एवं कृषि संगठन** (FAO) के रोम (इटली) स्थित मुख्यालय में संपन्न हुई। इस बैठक में **मिलेटस के लिए मानकों के विकास** में भारत के नेतृत्व को मान्यता प्राप्त हुई।

कोडेक्स एलीमेंटेरियस कमीशन (CAC) के बारे में

- यह **खाद्य उत्पादों के लिए मानक निर्धारित करने वाली अंतर्राष्ट्रीय संस्था** है। इसकी **स्थापना 1963 में FAO और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** द्वारा संयुक्त रूप से की गई।
- इसका मुख्य कार्य **FAO और WHO के संयुक्त खाद्य मानक कार्यक्रम** को लागू करना है।
- **कोडेक्स एलीमेंटेरियस** वे अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानक और आचार संहिताएं हैं, जो वैश्विक खाद्य व्यापार में सुरक्षा, गुणवत्ता और निष्पक्षता सुनिश्चित करती हैं।
- **सदस्य: 189** ; इनमें **188 सदस्य देश और यूरोपीय संघ** शामिल हैं।

बिट्रा द्वीप

लक्षद्वीप प्रशासन रक्षा उद्देश्यों के लिए **बिट्रा द्वीप के अधिग्रहण पर विचार** कर रहा है।

बिट्रा द्वीप के बारे में

- यह लक्षद्वीप का मानव बसावट वाला **सबसे छोटा द्वीप है।** इस द्वीप का क्षेत्रफल **0.105 वर्ग किलोमीटर** है।
- **अवस्थिति:** अरब सागर में अगत्ती द्वीप के पास।
- **जलवायु:** कोपेन की जलवायु वर्गीकरण प्रणाली के तहत **'Aw' अर्थात उष्णकटिबंधीय सवाना** के रूप में वर्गीकृत।
  - **प्रतिवर्ष** औसतन 1600 मिलीमीटर वर्षा होती है।

लक्षद्वीप के बारे में

- यह **भारत का सबसे छोटा** केंद्र शासित प्रदेश है।
- लक्षद्वीप **अरब सागर में स्थित 36 प्रवाल द्वीपों से मिलकर** बना है। इसकी तीन मुख्य भौगोलिक विशेषताओं में **एटॉल, लैगून और रीफ** शामिल हैं।

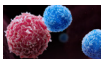

इन विट्रो बायोट्रांसफॉरमेशन (ivBT)

चीन के शोधकर्ताओं ने इन विट्रो बायोट्रांसफॉरमेशन (ivBT) प्रणाली विकसित की है जो **मेथनॉल से सुक्रोज का संश्लेषण करती है।**

- **मेथनॉल** औद्योगिक अपशिष्ट या **कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) से प्राप्त** किया गया।
- CO_2 का खाद्य पदार्थों और रसायनों में यह कृत्रिम रूपांतरण **पर्यावरण और जनसंख्या संबंधी चुनौतियों का समाधान** कर सकता है।

ivBT प्रणाली के बारे में

- बायोट्रांसफॉरमेशन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा **किसी पदार्थ को जैविक कारकों, मुख्यतः एंजाइमों** की चयापचय गतिविधि द्वारा रासायनिक रूप से परिवर्तित किया जाता है।
- जब यह प्रक्रिया **शरीर के बाहर (इन विट्रो)** पृथक कोशिकाओं या एंजाइमों का उपयोग करके की जाती है, तो इसे **इन विट्रो बायोट्रांसफॉरमेशन (ivBT) कहा जाता है।**

हाटी जनजाति

हाल ही में हिमाचल प्रदेश के **हाटी जनजातीय समुदाय** में **जाजड़ा** नामक **बहुपति विवाह** प्रथा (Polyandrous marriage) संपन्न हुई। गौरतलब है कि हाटी समुदाय को हिमाचल प्रदेश में **अनुसूचित जनजाति (ST)** का दर्जा प्राप्त है।

- **राजस्व कानूनों में** इस वैवाहिक प्रथा को **'जोड़ीदार'** के नाम से मान्यता प्राप्त है।
- **बहुपति प्रथा** वास्तव में बहुविवाह का एक रूप है। इसमें एक **महिला एक ही समय** में एक से अधिक **पुरुषों से विवाह** करती है।
- **बहुपति प्रथा के कारण:**
  - पुश्तैनी भूमि का विभाजन रोकना,
  - भाईचारे और संयुक्त परिवार को बढ़ावा देना, आदि।

हाटी जनजाति के बारे में

- इस समुदाय के लोग **हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ट्रांस-गिरि क्षेत्र** (गिरि और टोंस नदियों के पास) में रहते हैं। इस समुदाय के लोगों का **आपस में घनिष्ट संबंध** होता है।
- इस जनजाति का नाम उनके पारंपरिक व्यवसाय से पड़ा है। ये लोग अपने **उत्पाद, मांस आदि को छोटे बाजारों** बेचते हैं जिसे **हाट** कहा जाता है।

नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम (NMMS) ऐप

हाल ही में, **रूस के कामचटका प्रायद्वीप में भूकंप के पांच प्रबल झटके** महसूस किए गए।

कामचटका प्रायद्वीप के बारे में

- यह **रूस के सुदूर पूर्व** में स्थित है।
  - यह पूर्व में **बेरिंग सागर** और **प्रशांत महासागर** से तथा पश्चिम में **ओखोटस्क सागर** से घिरा हुआ है।
- यह प्रशांत महासागर के **'रिंग ऑफ फायर'** में स्थित है।
- इसे प्रायः **"फायर एंड आइस की भूमि"** के रूप में जाना जाता है।
- **कुरील द्वीप-समूह** रूस के कामचटका प्रायद्वीप के दक्षिणी सिरे से लेकर **जापान के होक्काइडो द्वीप के उत्तर-पूर्वी तट तक फैला हुआ है।**
  - कुरील द्वीप समूह **रूस और जापान के बीच विवादित क्षेत्रों में से एक** है।

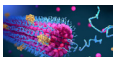

बायोमॉलिक्यूलर एम्यूलेटर (BioEmu)

हाल ही में BioEmu-1 नामक **डीप लर्निंग सिस्टम** विकसित किया गया है, जो **प्रोटीन संरचनाओं और उनकी गतिशील अवस्थाओं** (डायनेमिक कंफर्मेशन) का सटीक पूर्वानुमान कर सकता है।

BioEmu के बारे में

- इसे **माइक्रोसॉफ्ट** तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के राइस विश्वविद्यालय और जर्मनी के फ्री यूनिवर्सिटेट के शोधकर्ताओं ने विकसित किया है।
- यह **किसी प्रोटीन द्वारा** जैविक परिस्थितियों में अपनाए जाने वाले **सभी संभावित आकारों का पूर्वानुमान** करता है।
- यह **हाई-रिज़ॉल्यूशन स्तर पर प्रोटीन की लचीलेपन** (flexibility) का मॉडल तैयार करने में सक्षम है।
- इसे **अल्फाफोल्ड** के डेटाबेस से प्रशिक्षित किया गया है।
  - **अल्फाफोल्ड, गूगल डीपमाइंड** द्वारा विकसित AI मॉडल है। यह **प्रोटीन की संरचना का पूर्वानुमान** करता है।
- **लाभ:** यह **तेज गति वाला और किफायती मॉडल** है, एवं बड़े पैमाने पर पूर्वानुमान कर सकता है।
- यह एकल **ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (GPU) पर प्रति घंटे हजारों प्रोटीन संरचनाएं तैयार कर सकता है।**
- साथ ही, यह **ओपन सोर्स मॉडल** है।

मानगढ़ नरसंहार, 1913

राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के आदिवासी समुदायों ने **मानगढ़ धाम** में इकट्ठा होकर अलग **भील प्रदेश की अपनी मांग** को दोहराया।

- मानगढ़ धाम **1913 के मानगढ़ नरसंहार** की स्थली है। इसे **"राजस्थान का जलियांवाला बाग"** भी कहा जाता है।
- यह स्थल **राजस्थान के बांसवाड़ा जिले** में है।

मानगढ़ नरसंहार, 1913 के बारे में

- **गुरु गोविंदगिरि** के नेतृत्व में भील आदिवासियों ने जमींदारों से **उचित मजदूरी की मांग को लेकर मानगढ़ पहाड़ी पर एकत्रित** हुए थे।
- इस दौरान यह अफवाह फैल गई कि **आदिवासी लोग स्थानीय शासकों और अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह की योजना** बना रहे हैं।
- ब्रिटिश सैनिकों ने आदिवासियों की भीड़ पर बम फेंकना और गोलीबारी शुरू कर दी।
- इस घटना में लगभग **1,000-1,500 आदिवासी** मारे गए।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

मंगल पांडे (1827 - 1857)

प्रधान मंत्री ने **महान स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे को उनकी जयंती** पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

- **जन्म:** बलिया जिला (उत्तर प्रदेश)।
- वह 1849 में 22 साल की आयु में **ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की 34वीं बंगाल नेटिव इन्फेंट्री** में शामिल हुए थे।

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने **1857 की क्रांति** यानी **सिपाही विद्रोह** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- उन्होंने सैनिकों को **चर्बी वाले कारतूस** दिए जाने का **विरोध** किया।
- उन्होंने **29 मार्च, 1857** को कोलकाता के पास **बैरकपुर में खुले विद्रोह** की शुरुआत की, जिसने **1857 की क्रांति की चिंगारी** भड़का दी।
- उनका **कोर्ट मार्शल** किया गया और **8 अप्रैल, 1857** को बैरकपुर में फांसी दे दी गई।
- **मूल्य:** साहस, नेतृत्व, दृढ़-संकल्प, देशभक्ति, आदि।